सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 480
27/06/2018

राज्यपाल से सात देशों में कार्यरत भारतीय उच्चायुक्त/राजदूत मिले

पटना, 27 जून 2018 ::– महामहिम राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक से विभिन्न 7 देशों में कार्यरत भारतीय उच्चायुक्तों/राजदूतों के एक दल ने आज राजभवन पहुँचकर शिष्टाचार मुलाकात की। ज्ञातव्य है कि बिहार–परिदर्शन पर आए भारतीय उच्चायुक्तों/राजदूतों, जिनमें अधिकतर बिहार निवासी हैं, ने भारतीय विदेश नीति में राज्यों की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से बिहार के विभिन्न स्थलों का भ्रमण किया है तथा महामहिम राज्यपाल सहित अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों से मिलने का कार्यक्रम रखा है।

राज्यपाल ने मिलने आए दल में बहरीन में भारतीय राजदूत श्री आलोक कुमार सिन्हा, यूक्रेन में भारतीय राजदूत श्री मनोज कुमार भारती, नामीबिया में भारतीय उच्चायुक्त श्री कुमार तूहिन, मेक्सिको में भारतीय राजदूत श्री मुक्तेश कुमार परदेशी, कजाखस्तान में भारतीय राजदूत श्री प्रभात कुमार, सूडान में भारतीय राजदूत श्री रवीन्द्र प्रसाद जायसवाल एवं सेनेगल में भारतीय राजदूत श्री राजीव कुमार शामिल थे।

राज्यपाल श्री मलिक ने भारतीय उच्चायुक्त/राजदूतों के दल से बातें करते हुए कहा कि भारतीय इतिहास में जिसे 'स्वर्ण युग' कहा गया है, वह वस्तुतः बिहार के मगध साम्राज्य का ही गौरवपूर्ण इतिहास है। राज्यपाल ने कि बिहार की वैशाली की धरती लोकतंत्र एवं विश्व के प्रथम गणराज्य की भूमि है। श्री मलिक ने कहा कि बिहार की ऐतिहासिक विरासत एवं सांस्कृतिक इतिहास अत्यन्त गौरवपूर्ण हैं। भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, सिखों के दशमेश गुरू गोविन्द सिंह की जन्मभूमि एवं कर्मभूमि बिहार धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से भी अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। बोधगया, राजगीर, नालंदा, विक्रमशिला, केसरिया, चंपारण, मिथिलांचल के विभिन्न जिले आदि पर्यटकीय दृष्टि से काफी महत्त्वपूर्ण हैं।

राज्यपाल ने कहा कि बिहार के पर्यटन–स्थलों के बारे में विदेशों में अभिरूचि पैदा कर इस प्रदेश के विकास की संभावनाओं को सशक्त किया जा सकता है। राज्यपाल ने भारतीय उच्चायुक्त/राजदूतों के दल से बातें करते हुए कहा कि बिहार कृषि क्षेत्र में भी तेजी से उभर रहा है। उन्होंने कहा कि 'तीसरे कृषि रोड मैप' के कार्यान्वयन के जरिये राज्य में 'दूसरी हरित क्रांति' को फलीभूत बनाने के सार्थक प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जैविक खेती के अलावे, दलहनी, तेलहनी, सब्जियों आदि फसलों के अलावे गेहूँ, मक्का आदि अनाजों के खाद्य–प्रसंस्करण तथा दुग्ध–उत्पादन के जरिये राज्य में कृषि के क्षेत्र में भी 'सप्तरंगी क्रांति' लाने की भरपूर कोशिशें हो रही हैं। राज्यपाल ने कहा कि बिहार के आम–लीची आदि फलों का भी विदेशों में प्रचार–प्रसार होना चाहिए, ताकि ये यहाँ से बाहर भेजे जा सकें। उन्होंने इस क्रम में दीघा मालदह, जर्दालू आदि का उल्लेख किया।

राज्यपाल ने उच्चायुक्त/राजदूतों के दल को बताया कि बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में भी आवश्यक सुधार के प्रयास तेजी से चल रहे हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा क्षेत्र में समय की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक पाठ्यक्रम लागू किए जाने की भी जानकारी अधिकारियों को दी। राज्यपाल ने भारत की विदेश नीति में राज्यों के क्षेत्रीय हितों को भी प्राथमिकता देने के माननीय भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निर्णय की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे बिहार जैसे ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्यों को काफी लाभ होगा।

राज्यपाल से मुलाकात के दौरान बहरीन में भारतीय राजदूत श्री आलोक कुमार सिन्हा ने बताया कि बिहार फाऊन्डेशन काफी बेहतर ढंग से वहाँ काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि 'बिहार दिवस एवं 'छठ त्योहार' भी वहाँ उल्लासपूर्वक मनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं के कौशल–विकास हेतु बहरीन का सहयोग मिल सकता है। यूक्रेन में भारतीय राजदूत श्री मनोज कुमार भारती ने कहा कि वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान, विशेषकर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में यूक्रेन बिहार के विद्यार्थियों का आकर्षण–केन्द्र हो सकता है। नामीबिया में भारतीय उच्चायुक्त श्री कुमार तूहिन ने बताया कि उन्होंने वहाँ के पर्यटन मंत्री से मुलाकात के दौरान बिहार के पर्यटकीय स्थलों की व्यापक चर्चा की है और उम्मीद की जानी चाहिए कि भविष्य में वहाँ से बिहार आनेवाले पर्यटकों की संख्या में काफी इजाफा होगा। मेक्सिको में भारतीय राजदूत श्री मुक्तेश कुमार परदेशी ने कहा कि हम वहाँ से कृषि क्षेत्र में सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि पैदावार बढ़ाने और राज्य की सांस्कृतिक विरासतों के विकास की दृष्टि से मैक्सिको की सहायता महत्त्वपूर्ण हो सकती है। कजाखस्तान में भारतीय राजदूत श्री प्रभात कुमार ने कहा कि काफी संख्या बिहारी मूल के चिकित्सक वहाँ कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि हजारों भारतीय छात्र वहाँ चिकित्सा प्राप्त कर रहे हैं। सेनेगल में भारतीय राजदूत श्री राजीव कुमार ने राज्यपाल को बताया कि वहाँ भारतीय दूतावास एवं भारतीयों की बस्तियों में होली–दीपावली जैसे त्योहार उत्साहपूर्वक मनाए जाते हैं, जिसमें बिहारी व्यंजनों को लोग खूब पसंद करते हैं।

महामहिम राज्यपाल ने भारतीय उच्चायुक्त एवं राजदूतों के दल के सभी सदस्यों को मधुबनी पेंटिंग का अंगवस्त्रम् एवं राजभवन की कॉफी–टेबुल बुक 'The First Address' भेंट स्वरूप प्रदान किया। इस मुलाकात के दौरान राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह भी मौजूद थे।

.....